लिटरेसी (साक्षरता) एवं न्यूमरेसी (अंक-ज्ञान) **तथ्य पत्र**
अपनी संतान की मदद करना

लिटरेसी क्या होती है?

एक ऐसे तरीके से पढ़ने, देखने, लिखने, निर्माण करने, बोलने और सुनने की क्षमता को लिटरेसी कहते हैं जो हमें प्रभावपूर्ण ढंग से संचार करने और दूसरे लोगों को अपनी बात समझाने की योग्यता प्रदान करती है।

लिटरेसी क्यों महत्वपूर्ण है?

लिटरेसी यह सुनिश्चित करने के लिए अहम होती है कि आपकी संतान के पास अपने स्कूली जीवन और रोज़मर्रा के जीवन में सफल होने का श्रेष्ठ अवसर उपलब्ध है। लिटरेसी हमें विभिन्न प्रकार के लिखित, विजुअल और बोले जाने वाले पाठ (टेक्स्ट) का अर्थ निकालने की योग्यता देती है, इन पाठों में किताबें, समाचार-पत्र, मैगज़ीन, टाइम-टेबल, डी.वी.डी. तथा रेडियो कार्यक्रम, संकेत, नक्शे, वार्तालाप और निर्देश शामिल हैं।

अपनी संतान के लिटरेसी विकास में मदद देने के तरीके

अनुसंधान ने यह दर्शाया है कि जब बच्चों के माता-पिता या देखरेखकर्ता उनकी शिक्षा में शामिल होते हैं तो बच्चों की प्रेरणा और उपलब्धि में सुधार होता है।

लिटरेसी संबंधी शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए आप रोज़ कई कार्य कर सकते/सकती हैं। इन कार्यों में शामिल हैं:

- लिटरेसी में अपनी संतान के प्रयासों की क़दर करना और इन्हें बढ़ावा देना
- अपने ज्ञान को बांटना और यह वर्णन करना कि आप अपने रोज़मर्रा के जीवन में लिटरेसी का प्रयोग कैसे करते/करती हैं
- अपनी संतान को तरह-तरह के टेक्स्ट (पाठ) पढ़ने और देखने के लिए प्रोत्साहित करना जैसे कि समाचार-पत्र, उपन्यास, कॉमिक्स, मैगज़ीन, वेबसाइट्स, ई-मेल, टाइम-टेबल, निर्देश और व्यंजन विधियाँ
- अपनी संतान को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों – आमंत्रण पत्र, थैंकयू नोट्स, शॉपिंग लिस्ट, संदेश, डायरी और इलेक्ट्रॉनिक स्लाइड शो - का प्रयोग करके तरह-तरह के उद्देश्यों के लिए लिखने और निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना
- अपनी संतान को तरह-तरह के उद्देश्यों के लिए बोलने व सुनने के लिए प्रोत्साहित करना जैसे कि चुटकुला सुनाना, निर्देश देने या सूचना मांगनी
- भाषा के प्रति लगाव को सांझा करना
- यह चर्चा करना कि उद्देश्य और श्रोताओं पर निर्भर करते हुए टेक्स्ट (पाठ) किस प्रकार अलग-अलग दिख सकता है – उदाहरणत: टेक्स्ट मैसेजिंग में प्रयोग किए जाने वाले स्पेलिंग स्कूली प्रोजैक्ट्स में प्रयोग किए जाने वाले स्पेलिंग से अलग होते हैं
- उन चीज़ों के बारे में बातचीत करना जिन्हें आपने पढ़ा या देखा हो और जो आपको मनोरंजक, दिलचस्प या उपयोगी लगी हों
- पसंदीदा लेखकों, निर्माताओं, निर्देशकों या चित्रकारों और इस बात की चर्चा करना कि आपको उनके बारे में क्या पसंद है
- नए और असामान्य शब्दों या वाक्यों की चर्चा करना और प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक शब्दावलियों के माध्यम से इनकी खोज करना
- ऐसे खेल खेलना जो शब्दों के ज्ञान और आनन्द का विकास करते हों
- सूचना के लिए सामुदायिक संसाधनों, स्थानीय एवं स्कूली लाइब्रेरियों, क्लबों, सामुदायिक समूहों व वेबसाइट्स का प्रयोग करना।

लिटरेसी (साक्षरता) एवं न्यूमरेसी (अंक-ज्ञान) **तथ्य पत्र**
अपनी संतान की मदद करना

न्यूमरेसी क्या होती है?

अंकों को समझने व इनका प्रयोग करने की योग्यता से तात्पर्य जीवन की रोज़ाना की मांगों को पूरा करने के लिए विश्वसनीय व प्रभावपूर्ण ढंग से गणित का प्रयोग करना है।

न्यूमरेसी क्यों महत्वपूर्ण है?

न्यूमरेसी आपको अपने दैनिक जीवन में तार्किक सोच-विचार और तर्क-वितर्क करने की कार्यनीतियों का विकास करने में सक्षम बनाती है। समस्याओं का समाधान करने और भोजन पकाने, नक्शे को समझने या बिल को पढ़ने, निर्देश पढ़ने और यहाँ तक कि खेल खेलने जैसी गतिविधियों के लिए समय, संख्याओं, आकृतियों व आकारों का अर्थ निकालने के लिए हमें न्यूमरेसी की ज़रूरत है।

अपनी संतान के न्यूमरेसी विकास में मदद देने के तरीके

अनुसंधान ने यह दर्शाया है कि जब बच्चों के माता-पिता या देखरेखकर्ता उनकी शिक्षा में शामिल होते हैं तो बच्चों की प्रेरणा और उपलब्धि में सुधार होता है।

न्यूमरेसी संबंधी शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए आप रोज़ कई कार्य कर सकते/सकती हैं। इन कार्यों में शामिल हैं:

- अपनी संतान को गणित संबंधी भाषा का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना – कितना, कितना बड़ा, कितना छोटा, कितने
- अपने रोज़मर्रा के जीवन में अंकों, आकृतियों व आकारों के प्रयोग की चर्चा करना – लाइब्रेरी की किताबों में पाई जाने वाली संख्याएँ, खेलकूद के मैदानों, घरों और भवनों में अंतरिक्ष-संबंधी आकृतियाँ या आकार
- जब आप रोज़ के कार्यों और वास्तविक जीवन की स्थितियों में गणित का प्रयोग करते/करती हैं जैसे कि भोजन पकाना, नक्शा समझना, निर्माण करना और खेल खेलने, तो परिस्थितियों के बारे में बातचीत करना
- धन का प्रयोग करके स्थितियों का अन्वेषण करना जैसे कि शॉपिंग, बजट और क्रेडिट कार्ड
- लंबाई और ऊँचाई का, वस्तुएँ कितनी भारी या हल्की हैं और कंटेनरों में कितना सामान है, इसका अनुमान लगाना, इनका मापन करना और इनकी तुलना करना
- समस्या का समाधान करने के लिए अलग-अलग तरीकों के बारे में बातचीत करना
- नापने के फ़ीतों या रसोई में प्रयोग होने वाली तुलाओं जैसे रोज़मर्रा के साधनों का प्रयोग करना और मापन की ईकाइयों की चर्चा करना
- यह पूछना कि 'क्या आपको इसका अर्थ समझ आता है?' 'क्या जवाब यथोचित है?' या 'हम यह किन अन्य तरीकों से कर सकते हैं?'
- पढ़ाई करने की अवधियों, छुट्टियों की योजना बनाने और पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे अलग-अलग उद्देश्यों के लिए टाइम-टेबल, कैलेंडर और घड़ियों का अवलोकन और प्रयोग करना
- अपनी संतान को यह पता लगाने में मदद करना कि वस्तुओं की कीमत क्या है और उन्हें कितने छुट्टे पैसे मिलेंगे
- मैगज़ीन, किताबों, समाचार-पत्रों और नंबर प्लेट्स का प्रयोग करके संख्याओं वाले खेल खेलना
- खिलौनों, किताबों, कपड़ों व जूतों जैसी वस्तुओं के संग्रहण की व्यवस्था करना, इन्हें श्रेणीबद्ध करना और गिनना।

इस बारे में और अधिक जानकारी के लिए कि आप लिटरेसी व न्यूमरेसी में अपनी संतान की मदद कैसे कर सकते/सकती हैं, यह वेबसाइट www.education.qld.gov.au/parents/map or contact your child's teacher or school देखें।